

34 साल बाद देश की नई शिक्षा नीति जारी

स्ट्रीम सिस्टम बंद 10+2 फॉर्मेट खत्म

केंद्रीय कैबिनेट ने दी मंजूरी
अब पांचवी कक्षा तक की शिक्षा मातृ भाषा में मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदलकर किया शिक्षा मंत्रालय डेली न्यूज

नई दिल्ली > 29 जुलाई

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में स्कूली एवं उच्च शिक्षा में आमूल-चूल परिवर्तन लाने के लिए ऐतिहासिक और बहुप्रतीक्षित नई शिक्षा नीति को बुधवार को आखिरकार मंजूरी दे दी। नई शिक्षा नीति में मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदलकर शिक्षा मंत्रालय कर दिया गया है। शुरुआत में इस मंत्रालय का नाम शिक्षा मंत्रालय ही था लेकिन 1985 में इसे बदल दिया गया था। करीब 34 साल के बाद देश को एक बार फिर नयी शिक्षा नीति मिली है। बैठक में केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक भी मौजूद थे। डॉ. निशंक और सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद बताया कि शिक्षा नीति पर विचार-विमर्श के दौरान दो लाख 25 हजार सुझाव आए। नई शिक्षा नीति में स्ट्रीम सिस्टम को बंद करते हुए 10+2 फॉर्मेट खत्म कर दिया गया है। साथ ही अब पांचवी कक्षा तक की शिक्षा मातृ भाषा में होगी। (शेष पेज 4 पर)



नई शिक्षा नीति की खास बातें

- नई शिक्षा नीति के तहत एमफिल कोर्स खत्म किया।
- लीगल-मेडिकल कॉलेजों को छोड़कर सभी उच्च शिक्षण संस्थानों का संचालन सिंगल रेग्युलेटर के जरिए।
- पांचवी तक पढ़ाई के लिए होम लैंग्वेज, मातृ भाषा या स्थानीय भाषा माध्यम।
- यूनिवर्सिटीज और उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए कॉमन एन्ट्रेंस एग्जाम होंगे।
- छठी कक्षा के बाद से ही वोकेशनल एजुकेशन शुरू।
- सभी सरकारी और निजी उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एक तरह के मानदंड होंगे।
- बोर्ड परीक्षाएं रटने पर नहीं, बल्कि ज्ञान के इस्तेमाल पर आधारित होंगी।
- अब स्ट्रीम सिस्टम बंद, यानी किसी स्ट्रीम के विषय की बाध्यता नहीं रहेगी।
- उच्च शिक्षा में 2035 तक 50 फीसदी ग्रास एनरोलमेंट रेशो पहुंचने का लक्ष्य है।
- विद्यार्थी एक कोर्स के बीच में कोई दूसरा कोर्स करना चाहे तो पहले कोर्स से सीमित समय के लिए ब्रेक लेकर कर सकता है।
- चार साल इंजीनियरिंग पढ़ने या 6 सेमेस्टर पढ़ने के बाद छात्र आगे नहीं पढ़े तो वह आउट ऑफ़ सिस्टम हो जाता है। नए सिस्टम में एक साल के बाद सर्टिफिकेट, दो साल के बाद डिप्लोमा, तीन या चार साल के बाद डिग्री मिल सकेगी।
- अभी फ्रिजिक्स ऑनर्स के साथ केमिस्ट्री, मैथ्स लिया जा सकता है। इसके साथ फैशन डिजाइनिंग नहीं ली जा सकती थी। लेकिन नई नीति में मेजर और माइनर की व्यवस्था होगी। जो मेजर प्रोग्राम है उसके अलावा माइनर प्रोग्राम भी लिए जा सकते हैं।

स्कूली शिक्षा अब 5+3+3+4 फॉर्मेट में

नई शिक्षा नीति के तहत स्कूली शिक्षा में 10+2 फॉर्मेट को खत्म कर दिया गया है। इसे 10+2 से 5+3+3+4 फॉर्मेट में ढाला गया है। इसका मतलब है कि अब स्कूल के पहले पांच साल में प्री-प्राइमरी स्कूल के तीन साल और कक्षा एक और कक्षा दो सहित फ़ाउंडेशन स्टेज शामिल होंगे। अगले तीन साल को कक्षा तीन से पांच की तैयारी के चरण में विभाजित किया जाएगा। इसके बाद में तीन साल मध्य चरण (कक्षा छह से आठ) और माध्यमिक अवस्था के 4 वर्ष (कक्षा 9 से 12) होंगे।